टिप्पणी

22
आतंकवाद

आपने अब तक प्राचीन काल से लेकर वर्तमान समय तक की सेनाओं के गठन के बारे में पढ़ा है। सेनाओं और देशों ने अपनी सीमाओं और क्षेत्रों की रक्षा करने और लोगों को सुरक्षा देने के लिए युद्ध लड़े। दो देश आपस में अनेक कारणों से लड़ते हैं। प्रस्तुत पाठ में हम देश के सशस्त्र बलों द्वारा उन लोगों के विरुद्ध लड़े गए युद्ध के एक नए रूप के बारे में जानेंगे, जो हत्या जैसे कृत्यों को अंजाम देकर आतंक फैलाते हैं। इसे ही आतंकवाद कहा जाता है। आतंकवाद शब्द का अर्थ है लोगों को डराना व आतंकित करना। आतंकवाद उन लोगों द्वारा फैलाया जाता है जिनके राजनीतिक और वैचारिक उद्देश्य होते हैं। ये लोग अदृश्य रहते हैं इसलिए इनकी पहचान करना मुश्किल हो जाता है। देश की सेना इस अदृश्य शत्रु के खिलाफ लड़ती है।

उद्देश्य

प्रस्तुत पाठ को पढ़ने के बाद आप:-

- आतंकवाद को परिभाषित कर सकेंगे;
- आतंकवाद का उद्भव व इसके प्रकार का वर्णन कर सकेंगे;
- आतंकवाद के विरुद्ध से लड़ने के युद्ध कौशल के बारे में सुझाव दे पाएँगे;
- भारत पर आतंकवाद के प्रभाव की व्याख्या कर सकेंगे।

22.1 आतंकवाद क्या है?

आतंकवाद एक गैर कानूनी हिंसक कृत्य है जिसका उद्देश्य लोगों में दहशत और डर पैदा करना है। इसका उपयोग आम आदमी और सरकारों को डराने के लिए किया जाता है। निर्दोष नागरिकों की हत्या करने का यह ऐसा कृत्य है जिसका उद्देश्य सरकार पर उस काम को करने को दबाव बनाना है जो आतंकवादी करवाना चाहते हैं। उदाहरण के लिए एक आतंकवादी स्कूल बस में बम रख सकता है और जो कुछ वह चाहता है उसके पूरा न होने पर सभी बच्चों

को मारने की धमकी दे सकता है। आतंकवाद अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अनेक देशों के लिए एक बड़ी समस्या के रूप में उभरा है। ऐसा समूह जिसमें लोग अपनी इच्छापूर्ति के लिए आतंकवाद को हथियार के रूप में प्रयोग करते हैं, आतंकवादी कहलाता है। आतंकवादी हमलों के अनेक उदाहरण है जैसे- न्यूयार्क में वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर 2001 में हमला और 2008 में मुंबई हमला आदि। इन हमलों का उद्देश्य होता है। आतंकवादियों द्वारा अपनी माँगों की पूर्ति हेतु किसी एक देश की सरकार पर दबाव बनाना। प्रश्न यह उठता है कि आतंकवाद और देशों के बीच युद्ध में क्या अंतर है?

आतंकवाद की विशेषताएँ

- कोई राजनीतिक लक्ष्य होना।
- हिंसक बम ब्लास्ट, आत्मघाती हमलावर।
- सेना और आम आदमी को निशाना बनाना।
- राज्य के बाहर के अभिकर्त्ताओं का शामिल होना।
- लोगों को आतंकित करने के लिए धार्मिक और वैचारिक कट्टरपंथियों द्वारा समूह बनाना।

क्या आपने 'गैर राज्य अभिकर्त्ता' शब्द के बारे में सुना है?

गैर राज्य अभिकर्त्ता एक ऐसा व्यक्ति या संगठन होता है जिसका राजनीतिक प्रभाव होता है तथा उसे किसी विशिष्ट देश अथवा राज्य का समर्थन प्राप्त होता है। गैर राज्य अभिकर्त्ता को एक ऐसी संगठित समूह के रूप में परिभाषित किया जाता है जिनकी एक कमांड संरचना (नेता, उपनेता आदि) होती है तथा ये किसी देश या राष्ट्र से संबंधित नहीं होते। वे राज्य के बाहर से अपनी गतिविधियाँ चलाते हैं तथा अपने उद्देश्य को प्राप्त करने हेतु हथियार और गोला बारूद प्रयोग करते हैं। आतंकवादी संगठनों के उदाहरण हैं- अलकायदा, आईएसआईएस, लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद, हिजबुल मुजाहिदीन आदि। ये सभी संगठन आतंकवाद को बढ़ावा देने के लिए अतिवाद का प्रयोग करते हैं। ये समूह अतिवाद का प्रयोग लोगों को आतंकवाद के लिए प्रोत्साहित करने तथा उन्हें अपने संगठन/समूह में शामिल करने के लिए करते हैं।

अलगाववादी : आतंकवादी खुद को अलगाववादी या स्वतंत्रता सेनानी कहते हैं क्योंकि उनका उद्देश्य देश में स्थापित सरकार से अलग होता है। एक मशहूर कहावत है- "One man's terrorist is another man's freedom fighter." (एक संगठन का आतंकवादी दूसरे व्यक्ति के लिए स्वतंत्रता सेनानी होता है।)

आत्मघाती हमलावर - युवा लोग जो प्रशिक्षित तथा खुद को बम के साथ उड़ाने के लिए तैयार हो जाते हैं, उन्हें मानव बम के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। उन्हें सार्वजनिक स्थानों जैसे रेलवे स्टेशन, मॉल आदि में भेजा जाता है ताकि वे वहाँ खुद को बम की तरह उड़ा सकें।

ऐसे लोगों को आत्मघाती हमलावर कहते हैं। सर्वप्रथम मानव बम का प्रयोग श्रीलंका में लिट्टे (LTTE) ने किया था।

22.2 आतंकवाद का इतिहास

आतंकवाद की शुरूआत पहली शताब्दी में हुई थी। यहूदिया में लोगों के एक समूह ने उन लोगों की निमर्म हत्या कर दी जो रोमन शासन के समर्थक थे। वे रोमन शासन के विरुद्ध थे। ऐसे उदाहरण फ्रांसीसी क्रांति में भी मिलते हैं। हालांकि पहला संगठन जिसने आधुनिक तकनीक का प्रयोग किया था। वह था आयरिश रिपब्लिकन ब्रदरहुड जिसकी स्थापना 1838 में हुई थी। इस समूह ने इंग्लैंड में हमले किए। उन्होंने राजनीतिक लाभ प्राप्त करने के लिए महानगरीय ब्रिटेन के लोगों में भय उत्पन्न करने के उद्‌देश्य से आधुनिक समयबद्‌ध विस्फोटों का प्रयोग किया था। दूसरा प्रांरभिक आतंकवादी समूह नरोदनाया वोल्या था जिसकी स्थापना 1878 में रूस में हुई थी। इस समूह ने दमन करने वाले नेताओं को निशाना बनाकर हत्या करने जैसे विचारों को आगे बढ़ाया। आतंकवाद को भी अनेक प्रकारों में वर्गीकृत किया गया हैं। ये निम्न हैं-

- **राजनीतिक आतंकवाद** - हिंसक व आपराधिक व्यवहार जिसका उद्देश्य एक समूह समुदाय अथवा उसके एक मुख्य हिस्से में राजनीतिक उद्‌देश्य की पूर्ति के लिए डर पैदा करना है। उदाहरणत:- श्रीलंका में लिट्टे है जिसका उद्देश्य एक अलग तमिल राज्य का गठन करना था।

- **गैर-राजनीतिक आतंकवाद** - इस प्रकार के आतंकवाद का कोई राजनीतिक उद्देश्य नहीं होता परंतु अन्य लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए आतंकवादी हमलों द्वारा डर पैदा किया जाता है।

- **राज्य प्रायोजित आतंकवाद** - ये उन देशों के संदर्भ में है जो किसी और देश के खिलाफ राज्य की नीति के एक साधन के रूप में आतंकवाद का प्रयोग करते हैं। प्राय: ये देश इस तरीके को अपनी विदेश नीति का हिस्सा मानते हैं। ये देश आतंकवादी समूहों की आर्थिक सहायता करके आतंकवाद को प्रायोजित करते हैं। अलकायदा को सबसे अधिक धन अरब देशों से प्राप्त होता है। ये देश अपने आधिकारिक संगठनों का उपयोग आतंकवादी संगठनों को नियंत्रित करने, उनका वित्तीय पोषण करने तथा उन्हें निर्देश देने के लिए करते हैं। संगठन सीधे तौर पर इन देशों के अधीन होते हैं। उदाहरण के लिए पाकिस्तान द्वारा जैश-ए-मोहम्मद व लश्कर-ए-तैयबा की मदद करना।

- **नार्को आतंकवाद** - गांजा, चरस जैसे नशीले पदार्थों का गैर-कानूनी व्यापार मादक पदार्थों से जुड़ी हिंसा का कारण बनता है। ये युवाओं को अधिक प्रभावित करता है तथा उन्हें हिंसक गतिविधियों जैसे सरकारी संपत्ति को जलाने अथवा लोगों को मारने के लिए प्रेरित करता है। वे लोग जो कि इस प्रकार के कार्यों में लिप्त होते हैं उन्हें नार्को आतंकवादी कहते हैं तथा यह गतिविधि नार्को आतंकवाद कहलाती है।

पाठगत प्रश्न 22.1

1 विश्व में आतंकवाद का प्रारंभ कब हुआ?

2 आतंकवाद की किन्हीं तीन विशेषताओं का नाम लिखिए।

22.3 आतंकवाद की रणनीति

आतंकवादी हमलों का मुख्य उद्देश्य लोगों में ज्यादा से ज्यादा डर पैदा करना तथा मीडिया का ध्यान आकर्षित करना होता है। आतंकवादी समूह निम्नलिखित तरीके प्रयोग कर सकते हैं।

- आतंकी समूह विभिन्न विस्फोटक जैसे बम और विष या अन्य रासायनिक पदार्थों का प्रयोग करते हैं।
- प्रत्येक हमले की योजना महीनों पहले बनाते हैं।
- इनके अंडर कवर एजेंट (Under Cover Agents) सुरक्षा बलों, पुलिस तथा लक्षित ठिकानों से संबंधित जानकारी जुटाते हैं।
- आधुनिक दूर संचार माध्यम जैसे मोबाइल तथा अन्य एप्लीकेशन्स जैसे वाहट्सअप आदि का बड़े पैमाने पर प्रयोग करते हैं।
- लड़ने का कोई नियम नहीं है। आतंकवादी परमाणु हथियारों के प्रयोग सहित हत्या के किसी भी साधन का प्रयोग कर सकते हैं।
- धमकी, अपहरण तथा अन्य अपराधों के माध्यम से स्थानीय लोगों से पैसा जुटाया जाता है।
- आत्मघाती हमलावरों का प्रयोग- वे बच्चे, पुरूष व महिला कोई भी हो सकता है। वे प्रशिक्षित होते हैं। वे मनोवैज्ञानिक रूप से खुद को उड़ा सकने के लिए तैयार रहते हैं। ये किसी भी प्रकार से, किसी भी समय हमले के लिए तैयार रहते हैं।

आतंकवाद को समाप्त करने के लिए क्या कदम उठाए जा सकते हैं?

- आतंकवादियों के खिलाफ सेना का प्रयोग करना आतंक के अड्डे ध्वस्त करना तथा आतंकवादियों का सफाया करना।
- आतंकवादियों और उनके संगठनों से निपटने के लिए विशेष कानून बनाना।
- संचार के क्षेत्र में ऐसी संरचना का निर्माण करना जिससे आतंकवादियों को पहचाना जा सके और उनके आर्थिक स्रोत को पकड़ा जा सके।
- अन्य देशों के साथ मिलकर आतंकवाद समाप्त करना।

22.3.1 भारत में आतंकवाद

भारत सरकार के गृह मंत्रालय के अनुसार भारत में अनेक प्रकार के आतंकवाद हैं। इसमें नार्को आतंकवाद, वामपंथी आतंकवाद और जातीय-राष्ट्रवादी आतंकवाद शामिल है। आपने पहले दो प्रकार के आतंकवाद के बारे में पढ़ा है। आइए अन्य प्रकारों के बारे में जानते हैं।

वामपंथी आतंकवाद

यह आतंकवाद का वह स्वरूप है जो सरकार में साम्यवादी विचारधारा को लाना चाहते हैं। इसके मार्क्सवादी व लेनिनवादी आतंकवाद कहते हैं। ये विश्व के कई क्षेत्रों में विद्यमान है। इस प्रकार के आतंकवादी संगठन निम्न हैं।

- जापानी लाल सेना (Japanese Red Army)
- भारत के नक्सलवादी समूह
- कम्यूनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (माओवादी)

जातीय राष्ट्रवादी आतंकवाद

यह राष्ट्रवादी आतंकवाद भी कहलाता है। इसमें समूह अपने लिए ज्यादा स्वायत्ता की माँग करते हैं अथवा अपने लिए अलग राष्ट्र चाहते हैं। इस समूह के लोगों में यह सोच है कि उन्हें राज्य से पर्याप्त हक नहीं मिल रहा है अथवा उनके हक उनसे, छीने जा रहे हैं। विश्व में इस प्रकार के आतंकवादी संगठन के उदाहरण निम्नलिखित हैं-

- प्रोविजनल आइरिश रिपब्लिकन आर्मी (PIRA)
- पीपुल्स मुजाहिद्दीन ऑफ ईरान (MKO)
- तमिल टाइगर्स (LTTE)
- यूक्रेनियन इनसर्जेन्ट आर्मी (UPA)

22.4 भारत में आतंकवाद के प्रभाव

आइए जानते हैं भारत किस प्रकार आतंकवाद से प्रभावित है। भारत के कुछ राज्य आतंकवाद से लंबे समय से पीड़ित है। ये राज्य हैं- जम्मू एवं कश्मीर, उत्तर पूर्व राज्य जैसे- असम, नागालैंड, मणिपुर और मिजोरम। हमने पंजाब में खालिस्तान का आंदोलन देखा है। साथ ही पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या 1984 में हुई। आइए कुछ राज्यों की वे घटनाएँ जानते हैं जिन्हें पूर्व में वर्णित आतंकवाद से जोड़ा जा सकता है।

1. **जातीय राष्ट्रवादी आतंकवाद** - आतंकवाद का यह प्रकार उत्तर पूर्व राज्यों से जुड़ा हुआ है। इसमें कुछ समूह आतंकवाद के तरीकों का आजादी के लिए प्रयोग करते हैं। कुछ समूह स्वशासन या अधिक स्वायत्ता की माँग करते हैं। एक ऐसा ही उदाहरण है उल्फा (ULFA) जो अलग बोडोलैंड की मांग करता है।

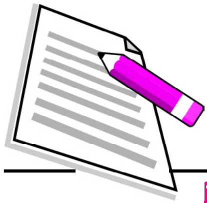

2. **वामपंथी आतंकवाद** – ये मार्क्सवादी विचारधारा पर विश्वास करते हैं। ये विश्वास करते हैं कि किसी भी देश की अर्थव्यवस्था मार्क्सवादी आदर्शों पर चलनी चाहिए। ये नक्सलवादी आतंकी तरीकों से झारखंड और छत्तीसगढ़ की गरीब जनजातियों का शोषण करते हैं। इनका उद्देश्य सुरक्षा बलों को बम और अन्य हथियारों का प्रयोग कर के निशाना बनाना है। इसकी शुरूआत पश्चिम बंगाल से हुई जहां कम्यूनिस्टों का लंबे समय तक शासन रहा है। वहां से यह आतंकवाद बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश तक पहुंच गया। इन नक्सलवादियों का मुख्य उद्देश्य सशस्त्र विद्रोह करना है। यह सशस्त्र विद्रोह चीनी क्रांति पर आधारित है जिसे इस समूह के लोग NDR (New Democratic Revolution - नयी लोकतांत्रिक क्रांति) कहते हैं। ये समूह वहाँ अपनी सरकार बनाना चाहते हैं। इनका मुख्य कार्य अपनी सेना का निर्माण करना और दूरस्थ क्षेत्रों में अपने बेस बनाना चाहते हैं जिसे धीरे-धीरे बढ़ाना चाहते हैं। इनका प्रमुख व अंतिम लक्ष्य सरकार को उखाड़कर अपने नियम लागू करना है। इनके कैम्प उन स्थानों पर अधिक पाए जाते हैं जहाँ प्रशासकीय ढाँचे का अभाव है। बी.डी.ओ., ग्राम विकास अधिकारी इत्यादि का न होना। मध्य भारत के राज्यों में काम करने वाले कुछ आतंकवादी संगठन निम्नलिखित हैं।

- पीपल्स वार ग्रुप (PWG)
- जनशक्ति
- पीपल्स वार और,
- पार्टी यूनिटी (बिहार)

2004 में पीपुल्स वार ग्रुप और एम.सी.सी. के विलय से सी.पी.आई. (माओवादी) बनने से एक महत्वपूर्ण परिवर्तन आया। अपनी ओर से राज्य सरकार अब सड़कें, दूरस्थ गाँवों के लिए बिजली तथा पुलिस बल बढ़ाने का काम कर रही है। नक्सल समस्या से निपटने के लिए गृह मंत्रालय ने वामपंथी अतिवादी डिवीजन स्थापित किया है।

3. **नार्को आतंकवाद** – इस प्रकार के आंतकवाद से गैर-कानूनी नार्कोटिक ट्रैफिक जोन (Narcotic Traffic Zones) बन जाते हैं। इस प्रकार के आंतकवादी युवा वर्ग को नशा बेचते है जिसमें वे हिंसक होकर अपराध करते है। नशे की सबसे ज्यादा तस्करी उत्तर पूर्वी राज्यों और नेपाल में होती है। इसी कारण उत्तर पश्चिम भारत में भी अपराध पनपा है। नार्को आतंकवादी और आतंकवादी समूहों के बीच जुड़ाव होती है। नशे के साथ हथियारों की भी तस्करी की जाती है। नार्को आतंकवादी आतंकवादी समूहों को हथियार बेचते हैं। इसलिए नार्को आतंकवाद को राजनीतिक आतंकवाद से जुड़ा माना जाता है।

आपने क्या सीखा

आतंकवाद मानवता का नए प्रकार का दुश्मन है। हमारे बीच में ही लोगों के ऐसे समूह होते हैं जो लोगों में आतंक और दहशत फैलाते हैं। आपने आतंकवाद के बारे में सैन्य इतिहास की पुस्तक में पढ़ा है। प्राचीन काल से वर्तमान तक लोग एक-दूसरे से अनेक कारणों से लड़ते आ रहे हैं परंतु युद्ध में केवल दो सेनाएँ शमिल होती है और सामान्य जनसंख्या को युद्ध में कोई सीधे प्रभाव नहीं पड़ता। आतंकवाद अलग है क्योंकि यह लोगों पर सीधा प्रभाव डालता है। आतंकवादी या मानवता के दुश्मन अदृश्य रहते हैं। ये कहीं भी और किसी भी प्रकार हमला कर सकते हैं। सरकार को हर समय सतर्क रहना पड़ता है। इस पाठ से सीखी गई विशिष्ट बातें निम्नलिखित हैं-

- आतंकवाद क्या है?
- आतंकवाद का इतिहास क्या है व इसका उद्भव कहाँ से हुआ?
- आतंकवाद के प्रकार
- आतंकवादियों की व्यूह रचना। सरकार द्वारा आतंकवाद के विरुद्ध उठाए जाने वाले प्रतिरोधक कदम
- भारत में आतंकवाद

पाठांत प्रश्न

1. 'गैर-राज्य अभिकर्त्ता' से आप क्या समझते हैं?
2. आतंकवाद के इतिहास पर 30 शब्दों में लिखिए।
3. भारत में कितने प्रकार का आतंकवाद पाया जाता है।

पाठगत प्रश्नों के उत्तर

22.1

1. प्रथम शताब्दी
2. राजनीतिक उद्देश्य होते हैं। यह हिंसक होता है इसका मुख्य निशाना - सामान्य नागरिक, बच्चे और सुरक्षा करने सशस्त्र बल होते हैं।